

FORM No. IH  
**फर्द अहकाम**  
 (नियम 26)

APP-A  
 Crim-1

S.D.O. मुकाम नगर  
 जालंधर बनाव तहसील नगर  
 136 LRAC नं. .... सन् .....

|                               |  |
|-------------------------------|--|
| हुयम की कार्यवाही इनिशियलस जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुयम की तामील में जारी हुए |
|-------------------------------|--|

7/5/15 गैरमौज धर्मिकारी महोदय प्रभियं / व्यवसाय पर है  
 माली पुर्नानुसार दिनांक 31/5/15 को पैरा ✓  
 2/5/15 गैरमौज धर्मिकारी महोदय प्रभियं / व्यवसाय पर है  
 माली पुर्नानुसार दिनांक 31/5/15 को पैरा ✓  
 1/5/15 गैरमौज धर्मिकारी महोदय प्रभियं / व्यवसाय पर है  
 माली पुर्नानुसार दिनांक 31/5/15 को पैरा ✓

आज पचावती राजल लोड अचलत अर्थभार न्याय  
 आपके इद 2015 नैम खेली में प्रदुत इर्द । प्रार्थीगक  
 1. जालंधर पुन मनोदरी जाति जाएन कि. ग्राम जलालपुर  
 तह. नगर 2. राम प्यारी पुत्री मनोदरी पाले 2 लज्जी  
 3. किशन प्यारी पुत्री मनोदरी पाले बाबू लाल जाति  
 जाएन कि. कनवा कूरपद जिला अलनद 4. सेखनती  
 पुत्री मनोदरी पाले बाबू लाल 5 लज्जी पुत्री मनोदरी  
 पाले साहन सिंह जाति जाएन कि. ग्राम देवा तह.  
 कूरपद जिला अलनद ने अ प्रार्थी तहसीलदार गैर  
 के विकरु यह प्रार्थना एन 0/5 136 LRAC अर्जुत  
 का निवेदन लिखा है कि अ. उ. नं. 350  
 वाके अर्ज लखन तह. नगर का 17/11/16 दि प्रार्थी  
 के जिला मनोदरी पुन टाबू के रुजे लखन  
 खतेदारी कर रकम था । प्रार्थीगक के जिला  
 मनोदरी पुन टाबू जाति जाएन कि. ग्राम जलालपुर  
 के दिनांक 26.10.11 को शुरु हो चुकी है । पत्नी  
 एका से विरासत दर्ज करे हेइ रुध मे  
 उद्येने रिपोर अ कि सिकरु मे मनोदरी पुन  
 मन्नु दर्ज है इतलिक विरासत गरी खुन  
 सक्ती । इतके बाद प्रार्थी ने अन्य अर्ज  
 - अर्ज -




तारीख  
हुक्म

हुक्म की कार्यवाही इनिशियल्स जज

के रिकॉर्ड की जांच करने पर प्रमाणों के विवरण  
का सही नाम मनोहरी पुत्र हाथू दत्त से  
रहा है। दफ्तर में प्रमाण कार्यवाही की  
गलती से प्रमाणों के विवरण का नाम उक्त  
विशेष से मनोहरी पुत्र हाथू के स्थान पर  
मनोहरी पुत्र भाबू दत्त कर दिया, जबकि  
इसको किता मिली ~~...~~ के अन्तर्गत के  
दस्तावेज बदलने का अधिकारी नहीं है। इस  
में निवेदन किया है कि प्रमाणों के विवरण  
का नाम नि-३७७ से मनोहरी पुत्र भाबू  
के स्थान पर मनोहरी पुत्र हाथू दत्त  
लिखा जावे।

श्री के पर केंद्र के दफ्तर तहसील  
नगर से जांच रिपोर्ट नलच की गई। 14R  
खोली व पत्तारो जलालपुर ने अपनी रिपोर्ट  
में अंकित किया है कि "श.सं. 350/146  
आफ लखन वरमान जमानदी सं. 2068-71 के  
प्रमाणों के विवरण मनोहरी पुत्र भाबू दत्त  
रिकॉर्ड है, जबकि पत्रालकी के हिलान प्रमाण  
का मिलान एकरा के अनुसार मनोहरी पुत्र भाबू  
अंकित है जो कि साबिक सं. 169 से बना है।  
साबिक सं. 169 रकबा 6 बीघा 19 चित्तौ -  
जमानदी सं. 2015-18 से मनोहरी पुत्र हाथू  
दत्त रिकॉर्ड पर। वस्तु नदेवाह प्रमाणों के  
विवरण का नाम मनोहरी पुत्र हाथू के स्थान पर  
मनोहरी पुत्र भाबू अंकित किया गया है। अतः  
साबिक रिकॉर्ड अनुसार हाल रिकॉर्ड से मनोहरी  
पुत्र हाथू दत्त लिखा जाना उचित है।"  
इस रिपोर्ट पर तहसील नगर एवं नसी  
रिपोर्ट अंकित की है कि - "मुताबिक अंकित  
रिपोर्ट के मुताबिक लिखा जाना उचित है।"

इसने पत्रालकी का पत्र सर्वतः  
अवलोकन किया, जिसके बाद फारस कि  
हाल सं. 350/146 वाले जलालपुर मुचाराके  
एकरा एकरा प्रमाणों के साबिक -  
श.सं. 169 से बनाया जाना साबिक है।  
तथा रिकॉर्ड नं. 23-24 काफ इपक में - "मनोहरी-

| <p>रीख<br/>वम</p> | <p>हुकम की कार्यवाही इनिशियल्स जज</p>   | <p>नम्बर व तारीख अहकाम<br/>जो इस हुकम की तामील में<br/>जारी हुए</p> |
|-------------------|---|---|
|                   | <p>पुन भग्नु जटव ल. जलालपुर खालेरा. सं. 18<br/>116<br/>व रुस्टोडिभन 99/116 " दर्ज है। नमल जमालकी<br/>सं. 2015-18 के खाता सं. 161 में ख. नं. 169<br/>ख. नं. 6 को धरा 15 बिलों की कातर - " मनोहरी<br/>वल्ड हाबू कोम नमार ल. जलालपुर पहेरा.<br/>। लाल " दर्ज होना पाया जाता है। इस -<br/>पता उपरोक्तानुसार राजस्व इतिहास के<br/>विनेचन से यह स्पष्ट रूप से साबित होता<br/>है कि प्रार्थोग्य के विना का नफा देना<br/>प्रबंध मनोहरी पुन हाबू के स्थान पर<br/>मनोहरी पुन भग्नु दर्ज हो गया है जो<br/>दुरुस्त किसे जाने मतभ पाया जाता<br/>है। अतः अदेश है कि -</p> <p>प्रार्थोग्य का प्रार्थना-पता रवीशर<br/>किश जलाल है तहसीलदार नगर की -<br/>अदेश दिया जाता है कि डा. ल. सं.<br/>350<br/>1-16 वाले गांव लखान तह-नगर में<br/>मनोहरी पुन भग्नु के स्थान पर मनोहरी<br/>पुन हाबू दुरुस्त किया जावे. शेख -<br/>इन्द्राज भयावत रहेंगे। उक्त दुरुस्ती<br/>के पश्चात मृतक मनोहरी पुन हाबू के<br/>वारिसान की जान कर विरालन दर्ज<br/>होटे। पालना हेतु तहसीलदार नगर की<br/>तरफे जाते हों। पकालकी पैतल<br/>शुमा हो कर दखिल दफ्तर हो।</p> <p style="text-align: right;"> <br/>             (हेमदल राईनाल)<br/>             उपखण्ड अधिकारी<br/>             नगर (भरतपुर) जज.         </p> |   |